①

Date 22/8/2020.
time 2:10 to 03:00 PM

B.A - part - III
Sub. - Pol. Sc.
Group - C (optional) → "National Movement and Constitutional development of India."

Dr. Dhananjay Jha.
Assistant Professor.
(Guest faculty / part time)
Deptt. of Pol. science
L.S. College Muzaffarpur
Mob - 8210688019

Topic - National Movement and Constitutional development of India.
(राष्ट्रीय आंदोलन एवं भारत का संवैधानिक विकास)

## परिचय (Introduction) : ⟹

'राष्ट्रीय आंदोलन एवं भारत का संवैधानिक विकास' पर विस्तारपूर्वक चर्चा करने से पूर्व सर्व प्रथम हम राष्ट्रीय आंदोलन का अर्थ एवं विभिन्न प्रकार के राष्ट्रीय आंदोलनों का एक खाका तैयार करेंगे। तत्पश्चात् संविधान के अर्थ को स्पष्ट करते हुए भारतीय संवैधानिक विकास (Constitutional development of India) का खाका खींचकर बारी-बारी से सभी तथ्यों को समझाने का एक सफल प्रयास करेंगे।

## राष्ट्रीय आंदोलन का अर्थ (Meaning of National movement)

राष्ट्रीय आंदोलन दो शब्दों के मेल से बना है - राष्ट्रीय और आंदोलन। इस प्रकार साधारण शब्दों में हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय आंदोलन से अभिप्राय राष्ट्र (देश) का आंदोलन या देश (राष्ट्र) के लिए आंदोलन से है। शाब्दिक व्युत्पत्ति के आधार पर हम कह सकते हैं कि राष्ट्रीय आंदोलन का शाब्दिक अर्थ होता है - राष्ट्र का या राष्ट्र की अस्मिता के लिए आंदोलन चलाना। यह आंदोलन किसी भी राष्ट्र (देश) के निवासियों द्वारा राष्ट्रहित (National interest) में संचालित किया जाता है।

P.T.O

Scanned with CamScanner

(2.)

दूसरे शब्दों में, हम यों कह सकते हैं कि विदेशी सत्ता से मुक्ति पाने के लिए गुलाम उपनिवेशों के निवासियों द्वारा लम्बे अर्से (समय) तक संचालित किया गया संघर्ष है। इस आधार पर भारत में भारतवासियों द्वारा अंग्रेजों के विरुद्ध स्वाधीनता के लिए एक लम्बे अर्से (समय) तक जो संघर्ष संचालित किया गया उसे ही 'भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन' (Indian national movement) की संज्ञा से विभूषित किया जाता है।

भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की कहानी भारतीयों द्वारा स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए लड़े गये संग्राम का इतिहास है। यह अंग्रेजी शासन की दासता से मुक्ति पाने के लिए भारतीयों द्वारा संचालित एवं संगठित आंदोलन था।

**भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का स्वरूप:→** भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन अपनी विशेष प्रवृत्ति के कारण विश्व के सभी राष्ट्रीय आंदोलनों से भिन्न एक अद्भुत और चमत्कारिक घटना है। यदि हम विश्व के विभिन्न देशों के राष्ट्रीय आंदोलन पर गहन दृष्टिपात करते हैं तो हमें पता चलता है कि भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन से पूर्व या बाद अनेक देशों में विदेशी शासन से मुक्ति पाने के लिए हिंसात्मक क्रान्तियाँ हुई, परन्तु भारत में क्रान्तिकारी स्वतन्त्रता प्रेमियों के बलिदान की घटनाओं के बावजूद महात्मा गाँधी के नेतृत्व में अहिंसात्मक आंदोलन के बल पर ही भारतवासियों को स्वतन्त्रता प्राप्त हुई।

**भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के प्रकार**

1. 1857 का भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (इसे स्वतंत्रता संग्राम / प्रथम स्वाधीनता संग्राम भी कहा जाता है।
2. 1920 का असहयोग आन्दोलन (Non-Co-operative movement)
3. 1930 का सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil disobedience movement)
4. 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन वगैरह। (Quit India movement)

Scanned with CamScanner